भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

27.11.2024 के

तारांकित प्रश्न सं. 26 का उत्तर

कोपरगांव रेलवे स्टेशन (महाराष्ट्र) पर गति शक्ति अभियान

***26. श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे:**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या गति शक्ति अभियान स्टेशन के तहत महाराष्ट्र के शिरडी संसदीय क्षेत्र में कोपरगांव रेलवे स्टेशन पर बड़े पैमाने पर काम चल रहा है और उक्त अभियान के तहत रेलवे स्टेशन के पश्चिम की तरफ आवासीय क्षेत्र से सटे 230 मीटर के दीवार वाले परिसर का निर्माण किया जा रहा है जिसके कारण रेलवे भूमि के आसपास के क्षेत्र में रहने वाले लगभग 200 परिवारों की आवाजाही में बाधा उत्पन्न हो रही है;

(ख) क्या कोपरगांव-वैजापुर राजमार्ग उक्त क्षेत्र के नज़दीक है जिसके कारण रेलवे कर्मचारियों और ग्रामीणों के बच्चों को विद्यालय और अन्य क्षेत्रों में जाने में भी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है;

(ग) क्या सरकार को इस संबंध में जन प्रतिनिधियों से कोई अभ्यावेदन प्राप्त हुआ है; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में सरकार द्वारा जनहित में क्या कार्रवाई की गई है या किए जाने की संभावना है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

कोपरगांव रेलवे स्टेशन (महाराष्ट्र) पर गति शक्ति अभियान के संबंध में दिनांक 27.11.2024 को लोक सभा में श्री भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे के तारांकित प्रश्न सं. 26 के भाग (क) से (घ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (घ): कोपरगांव स्टेशन पर, स्टेशन का पुनर्विकास संबंधी कार्य प्रगति पर है। प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म पर छत, चाहरदीवारी, प्रतीक्षालय का उन्नयन, परिचलन क्षेत्र, सड़क का कार्य, पार्किंग आदि के कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

कोपरगांव स्टेशन पर चाहरदीवारी रेलवे सीमा के भीतर बनाई गई है तथा रेल भूमि के बाहर चाहरदीवारी से सटी एक सड़क उपलब्ध है। यह कोपरगांव-वैजापुर रोड से पर्याप्त दूरी पर है। उक्त चाहरदीवारी के कारण लोगों के आवागमन में कोई बाधा नहीं है।

रेल मंत्रालय ने भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों के विकास के लिए 'अमृत भारत स्टेशन योजना' शुरू की है। मध्य रेलवे का कोपरगांव रेलवे स्टेशन इस योजना के तहत विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों में से एक है। इस योजना में दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर रेलवे स्टेशनों के विकास की संकल्पना की गई है।

इस योजना में प्रत्येक रेलवे स्टेशन पर आवश्यकता को देखते हुए, रेलवे स्टेशनों पर सुविधाओं जैसे रेलवे स्टेशन तक पहुंच मार्ग में सुधार, परिचलन क्षेत्र, प्रतीक्षालय, शौचालय, आवश्यकता के अनसुार लिफ्ट/एस्केलेटर, प्लेटफॉर्मों की सतह तथा प्लेटफॉर्मों पर छत, स्वच्छता, नि:शुल्क वाई-फाई, 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं द्वारा स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क, बेहतर यात्री सूचना प्रणाली, एक्जीक्यूटिव लाउंज, व्यावसायिक बैठकों के लिए नामोद्दिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि जैसी सुख-सुविधाओं में सुधार लाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उनका चरणबद्ध कार्यान्वयन करना शामिल है।

साथ ही इस योजना में आवश्यकतानुसार स्टेशन भवन में सुधार, रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण, मल्टी-मोडाल एकीकरण, दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएं, दीर्घकालिक और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित पटरियों आदि की व्यवस्था करना, चरणबद्ध कार्यान्वयन तथा व्यवहार्यता आकलन एवं दीर्घावधि में स्टेशन पर सिटी सेन्टरों के सृजन की परिकल्पना की गई है।

रेलों को रेलवे बोर्ड, क्षेत्रीय रेलों, मंडल कार्यालयों आदि सहित विभिन्न स्तरों पर जन प्रतिनिधियों से अभ्यावेदन/प्रस्ताव/सुझाव/अनुरोध प्राप्त होते रहते हैं। चूंकि ऐसे अभ्यावेदन/प्रस्ताव/सुझाव/अनुरोध प्राप्त करना तथा उन पर कार्रवाई करना एक सतत एवं गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए ऐसे अभ्यावेदनों का केंद्रीकृत सार-संग्रह नहीं रखा जाता है।

*****